

तेरा बणया चुरमा देशी घी में आ क भोग लगाइये हो



तेरा बणया चुरमा देशी घी में,
आ क भोग लगाइये हो,
परमानेंट रह घाटे में,
मेरे घर भी आइये हो।bd।

तेरे नाम का करया जागरण,
एक ब आणा होगा,
मात सीया और लखन राम को,
संग में लयाणा होगा,
कुछ दिन डट क जाणा होगा,
कुछ दिन डट क जाणा होगा,
और मन्नै के चाहिए हो,
तेरा बणया चुरमा देशी घी में,
आ क भोग लगाइये हो,
परमानेंट रह घाटे में,
मेरे घर भी आइये हो।bd।

इतणा त मन्नै भी बेरा,
काम बहोत तन्नै घाटे में,
दुर दुर त आव दुखिया,
के फादया तन्नै नाटे में,
काम चले ना नाटे में,
काम चले ना नाटे में,
दो दिन डट कर जाइये हो,
तेरा बणया चुरमा देशी घी में,
आ क भोग लगाइये हो,
परमानेंट रह घाटे में,
मेरे घर भी आइये हो।bd।

सोवण दे ना मन्नै रात ने,
घर में ओपरी छाया,
भुत प्रेत का करै खात्मा,
न्यु तेरे दर आया,
दुख पारी स काया मेरी,
दुख पारी स काया मेरी,
एक ब गदा घुमाइये,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिन बहाने के चुरमा देशी घी में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



आ क भोग लगाइये हो,
परमानेंट रह घाटे में,
मेरे घर भी आइये हो।bd।

हो बालाजी तेरे मंदिर में,
आज लाग रहे जयकारे,
गुरु रामसिंह नरेन्द्र कौशिक,
तेरे मंदिर आ रे,
कप्तान शर्मा ने संग में लयारे,
कप्तान शर्मा ने संग में लयारे,
उस त ज्ञान सिखाइये हो,
तेरा बणया चुरमा देशी घी में,
आ क भोग लगाइये हो,
परमानेंट रह घाटे में,
मेरे घर भी आइये हो।bd।

तेरा बणया चुरमा देशी घी में,
आ क भोग लगाइये हो,
परमानेंट रह घाटे में,
मेरे घर भी आइये हो।bd।

प्रेषक – राकेश कुमार ।
खरक जाटान(रोहतक)
9992976579
